FacultyDetailsonCollegeWeb-site

Title		First Name		LastName		Photograph
Designation	RASHMI RAWAT					
Department	HINDI					
Address (Residence)	1006, NEELPADAM Apartment-2, SECTOR-4, VAISHALI GHAZIABAD, U.P-201010					
PhoneNo (Residence)optional	8130111210					
Mobile	8383029438					
Fax						
Email	rasatsaagar@gmail.com					
Web-Page						

Education

Subject	Institution	Year	Details
PHD	JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI	2015	स्त्री-आत्मकथाओं में अत्म-अन्वेषण का अध्ययन
M.PHIL	DELHI UNIVERSITY	2008	विद्यासागर नौटियाल की कहानियों में गढ़वाल का जन-जीवन
ADVANCE CERTIFICATE COURESE IN GENDER STUDIES	DELHI UNIVESITY	2010	GRADE-A
MA HINDI MA PHILOSOPHY	DELHI UNIVESRITY	2006 2000	58% 56%
MA HUMAN RIGHT MSC IN ECOLOGY, ENVIROMENT SC	MANIPAL (CORRESPONDENCE)		First Div First Div.

Organisation/ Institution	Designation	Duration	Role
DCAC	ASST PROFESSOR (ADHOC)	SINCE 3 JAN 2013 ALMOST 9 YEARS	TEACHING, EVALUATION, INVIGILATION, CULTURAL ACTIVITES
ARSD	ASST PROFESSOR(ADHOC)	4 MONTHS	SAME
ARSD ANS DCAC	ASST PROFESSOR ON GUEST BASIS	3,4 YEARS	SAME

Research Interests/Specialization

LITERARY CRTICISM, FEMINISM, AUTOBIOGRAOHICL WRITING, CONTEMPORARY SOCIAL ISSUE

Teaching Experience(Subjects/Courses Taught)

9.5 YEARS AS ADHOC TEACHER, 3-4 YEARS AS GUEST FACULTY
6 MONTHS IN NCERT
5 YEARS TEACHING TO B.ED STUDENTS AND IAS ASPIRANTS IN SELF-FINANCING EDUACTIONAL INSTITUTES
4 YEARS COUNSELLED STUDENTS FOR EXAM AND RESULT RELATED PRESSURES IN SNEHI NGO

Honors & Awards

DAUGHTER OF UTTRAKHAND, 2018

Publications

- हिंदी साहित्य ज्ञानकोश, (भारतीय भाषा केंद्र) में बच्चों के मानवाधिकार, मृत्युदंड, पर्यावरण संरक्षण, पर्यावरण संबंधी कानून आदि विषयों पर प्रविष्टियाँ
- कहानी का यथार्थ और यथार्थ की कहानी- शैक्षिक दखल, वर्ष -11, अंक 19, जनवरी 2022 (प्रकाश्य)
- कतरें मिल जाएँ जो आपस में तो दरिया होगा, आलोचना पत्रिका, अंक 67, जनवरी-मार्च 2022 (प्रकाश्य)
- समय □□ □□□ □□ □□□, आकलन : □□□□□□□□, □□□□□ □□□, □□□□□□□□□: □□□□□□□ और □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□, □□□□ : 11 , □□□ : 43-44, 2021
- तीन निगाहों से झलकता यथार्थ, नया पथ, 2021
- ऊपर को उठती आँच की लपट, संवेद, 2020
- स्वत्व की खोज, स्त्रीकाल, 2020
- प्रेम की स्त्री भाषा, प्रतिमान, जनवरी-जून 2019
- सोबती का संसार : चंद झरोखे, आलोचना, अप्रैल-जून 2019
- जहाँ हम रुकें वहाँ से तुम चलो (कृष्णा सोबती), सबलोग मासिक पत्रिका, फरवरी 2019
- निर्वात की कड़ियां कब टूटेंगी, चोखेरबाली ब्लॉग, 2019
- 'ये कोठेवालियाँ' के बहाने 'ये' और 'वे' स्त्रियाँ, अभिनव भारती, हिंदी शोध एवं समीक्षा की वार्षिक पत्रिका, हिंदी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विद्यालय
- जीवन के उदात्त मूल्यों की तलाश, संवेद, मार्च 2018
- एक देह का अंतर्विरोधी संघर्ष, प्रतिमान, जनवरी-जून 2017,
- भक्तिकालीन काव्य और लोक के विविध रूप, भक्तिकालीन कविता और भारतीय संस्कृति के विविध आयाम
- अधूरी स्त्रियों का पूरापन (इस्मत चुगताई के लेखन पर एकाग्र), नया पथ, मार्च 2017
- पीड़ित मानवता की कथाकार-महाश्वेता देवी, उद्भावना फरवरी 2017
- कृष्णा सोबती की कहानियों की जीवंत स्त्रियाँ, रचनात्मक सरोकारों की नई पड़ताल
- कुंतो- स्त्री उत्सर्ग का विमर्श, उद्भावना पत्रिका, सितम्बर-अक्टूबर- 2016
- देशज का सौंदर्य, अनभै साँचा, अंक 125, जुलाई-दिसबंर 2016
- महाश्वेता देवी – सतत विद्रोह, साझा नायकत्व, प्रतिमान, जुलाई-दिसंबर 2016
- उड़ान की तैयारी, नया पथ, 2015
- वर्तमान समय और धर्म, सबलोग, मार्च 2015
- नारीवाद का भारतीय स्वर, जनवरी 2014
- जन आंदोलनों में स्त्रियों की भागीदारी, सबलोग, मार्च 2014
- नैनीताल का सच, समयांतर, 2013
- जेंडर एवं भाषा, प्रत्यय, जनवरी-जून 2013

- फट जा पंचधार की आलोचना, आर्यकल्प पत्रिका सितम्बर 2008
- सौंदर्य, संघर्ष और पीड़ा का औपन्यासिक आख्यान, वागर्थ, जुलाई 2008
- बच्चों को साहित्य कैसे पढ़ाया जाए, लोकायत, जुलाई 2008

□□□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□

- वोल्गा से गंगा- इतिहास की एक साहित्यिक यात्रा, 24 अगस्त 2018
- स्त्री के आत्म का स्वरूप, 23 मार्च 2018
- भक्तिकालीन काव्य और लोक के विविध रूप, 2-3 नवंबर, 2017
- प्रेम का आधुनिक आख्यान, 24 जनवरी 2017
- कथाकार संजीव के कथा साहित्य में आदिवासी समाज, 21 जनवरी 2017
- सोबती जी की कहानियों की जीवंत स्त्रियां, 18-19 मार्च 2017

□□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□

- साहित्य का भविष्य, जनसत्ता, संपादकीय पृष्ठ, 2008
- साहित्य और पत्रकारिता का रिश्ता, साहित्य-संस्कृति पृष्ठ, दैनिक भास्कर, राष्ट्रीय संस्करण, 2008
- स्त्री की कहानी, उसी की जुबानी, दैनिक भास्कर, सा.सा. पृष्ठ, 2008
- एक स्त्री की आत्मकथा, दैनिक भास्कर, 2008
- अनुग्रह की संस्कृति, जनसत्ता 2009
- समीक्षा का पहला अनुभव, जनसत्ता, 2009
- कोई अच्छा सा लड़का, दैनिक भास्कर, 2009
- गाय दूध देती है, जनसत्ता, 2009

राष्ट्रीय सेमिनार

कथा साहित्य में स्त्री-दृष्टि- कोचिन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलोजी, 11 सितंबर, 2021

- हिंदी सिनेमा का समाज पर प्रभाव, 13 नवंबर 2017
- स्त्री आत्मकथाओं में आत्म की निर्मिति, अगस्त 2016
- अस्मिता के लिए जूझता स्त्री लेखन, 15-16 मार्च 2016
- जायसी के काव्य में प्रेम, 30 मार्च 2016
- स्वाधीनता आंदोलन और गांधीवाद पर परिचर्चा में मुख्य वक्ता, 23 दिसंबर 2018, हरिजन सेवक संघ

मन्नू भंडारी के लेखन पर एकल वक्तव्य, आई आई सी, देहरादून

एवं अन्य अनेक

□□□□□□

अनेक वेबनारों में एकल वक्तव्य और पेपर-प्रस्तुति

स्त्रीकाल लाइव में रचनाकारों से संवाद की सीरीज का मासिक संचालन

(स्त्रीकाल पत्रिका का मंच)

'कथादेश' में सितम्बर 2018 से 'टकटकी' कॉलम के जरिए प्रकाशित कार्य -

1. मनुष्यत्व का मानचित्र
2. किस्से जिंदा गरमाहटों के (कृष्णा सोबती)
3. अपनी धुरी पर स्थित ठोस अस्तित्व (कृष्णा सोबती)
4. होने के व्याकरण से सिरजी हुई जिंदगानियाँ (उषा प्रियंवदा)
5. व्यक्तित्व के उठान की स्त्री-गाथाएँ (उषा प्रियंवदा)
6. होने के व्याकरण से सिरजी हुई जिंदगानियां (मन्नू भंडारी)
7. पूरे चांद की ओर (मन्नू भंडारी)
8. मुक्ति की राह में अकेली पड़ती स्त्री (अर्चना वर्मा)
9. विविधताओं के महोत्सव के सामाजिक विमर्श (अर्चना वर्मा)
10. हर स्त्री खुद अपनी थीसिस है, भाग-1 (मृदुला गर्ग)
11. हर स्त्री खुद अपनी थीसिस है, भाग 2 (मृदुला गर्ग)
12. बोलने वाली औरतों का संसार (ममता कालिया)
13. क्या घर एक युटोपिया है? (ममता कालिया)
14. स्त्रीत्व की नई वर्णमाला (मृणाल पाण्डेय)
15. यात्रा कभी ख़त्म नहीं होगी क्या ? (मृणाल पाण्डेय)
16. घरानों में बेघर स्त्री (मृणाल पाण्डेय)
17. बेआवाज जीना बेआवाज मरना भी है (सुधा अरोड़ा)
18. सवालों के आईने में (सुधा अरोड़ा)
19. आत्मबोध से जीवन बोध तक (राजी सेठ)
20. लिफाफे के बाहर और भीतर का यथार्थ (राजी सेठ)
21. भौगोलिक और मानसिक विस्थापन (राजी सेठ)

मासिक सतंभ जारी

हंस पत्रिका में 'सृजन-परिक्रमा' स्तम्भ के अंतर्गत लेख :

1. आँखों के सामने, नजर से दूर (सितंबर, 2020)
2. एक टीसते घाव की कथा (अक्टूबर, 2020)
3.एक अकुंठ स्त्री की कथा (नवंबर, 2020)
4.खबरों की दुनिया की खबर (दिसंबर, 2020)
5.'ना' से 'हाँ' का सफर (जनवरी, 2021)
6.लालसाओं की दो रंगतें (फरवरी, 2021)
7. बेड़ियों से प्रेम/प्रेम की बेड़ियाँ (मार्च, 2021)
8. महामारी और समाज की बीमारी (अप्रैल, 2021)
9. सच की कला और कला का सच (मई, 2021)

10. आज और कल की साझेदारी (जुलाई, 2021)
11. ब्लैकहोल की शिनाख्त और मनुष्यता की जमानत (अगस्त, 2021)
12. यथार्थ या विभ्रम (सितंबर, 2021)
13. सत्ता की सुरक्षा बनाम खुलेपन का जोखिम (अक्टूबर, 2021)
13. लगाव और अलगाव (नवंबर, 2021)
14. संवेदना और जिजीवेषा की जययात्रा (दिसंबर, 2021)
मासिक स्तंभ जारी

• 'रविवार' मासिक पत्रिका में 'स्त्री के इर्द-गिर्द' कॉलम के अंतर्गत मई 2018 से लगातार समाज, सिनेमा, स्पोर्ट्स इत्यादि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्त्री की स्थितियों का अक्स समसामयिक घटनाक्रमों में देखने का प्रयास है।

• 'सबलोग' पत्रिका में जनवरी 2019 से मासिक कॉलम लिखना आरम्भ किया है। कॉलम का नाम है 'हाँ और ना के बीच' । इसमें अपने परिवेश के पात्रों की सच्ची घटनाओं पर आधारित संस्मरण होते हैं। जिनकी लगभग 30 किस्त लिखी जा चुकी हैं और स्तंभ अभी जारी है।

ProfessionalSocietiesMemberships

2. Membership of **SAHITYA AKADAMI.**

Projects(Major Grants/Collaborations)

Worked as JPF in NCERT in the project 'Development of Magazine on Language Education'

OtherDetails

आलोचना विशेष अध्ययन-लेखन क्षेत्र है। आलोचना संबंधी पुस्तकों के अध्ययन और लेखन में निरंतर लगी हुई हूँ। कहानी आलोचना पर पुस्तक पूरी होने वाली है। स्त्री आलोचना की पुस्तक 'यह बस स्त्री-कथा नहीं' प्रकाशनाधीन है। आलोचना संबंधी वक्तव्य और लेखन के विभिन्न प्रस्तावों पर प्रतिबद्धता के साथ कार्यरत।

स्त्री-आत्मकथाओं पर पुस्तक का प्रकाशन कार्य लगभग अंतिम चरण में था, मगर कोरोना के कारण रुक गया था। वह भी आने वाली है।

समानता के मूल्यों और साहित्यिक अभिरुचि जगाने के मकसद से डिजिटल और नॉन डिजिटल गतिविधियों में सक्रिय।